# सोम प्रदोष व्रत पूजा विधि PDF

1. प्रदोष व्रत रखने वाले भक्तों को सूर्य उदय से पहले बिस्तर छोड़ देना चाहिए।
2. उसके बाद स्नान करना चाहिए।
3. स्नान करने के बाद पूरी विधि विधान से भगवान शिव की आरती व वंदना करनी चाहिए।
4. वह उसके बाद पूजा घर में मुख्य रूप से संपूर्ण साफ सफाई करनी चाहिए।
5. गंगाजल छिड़क कर पवित्रीकरण अवश्य करना चाहिए।
6. पूजा घर को गाय के गोबर से लौटने के बाद लेपने बाद रेशम कपड़ों से मंडप अवश्य बना देना चाहिए।
7. अंत में आटे और हल्दी की मदद से स्वस्तिक बनाना चाहिए।
8. व्रत वाले इंसान को आसन पर बैठकर सभी देवी देवताओं को अवश्य प्रणाम करना चाहिए और अंत में "ओम नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें।

pdfinbox.com